स्वपरायणता

क्या आप अधिक जानना चाहते हैं

?

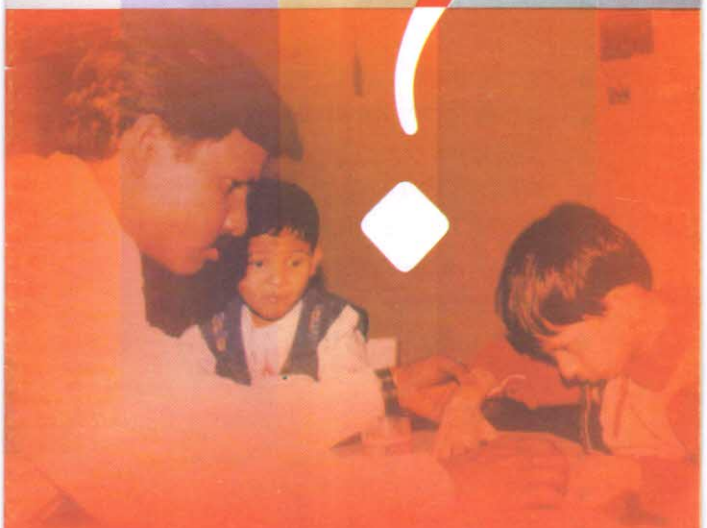

क्षेत्रीय विकलांग पुनर्वास केन्द्र

(सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय , भारत सरकार)

पुनर्वास भवन, खजूरीकलॉ मार्ग, पिपलानी, भोपाल–462 021

Phone : 0755-2685950, Fax : 0755-2685949

ई मेल : crcbhopal@indiatimes.com

स्वपरायणता

क्या आप अधिक जानना चाहते हैं ?

मास्टर वी, जिसकी उम्र 6 वर्ष है, अपने समान उम्र के बच्चों के साथ नहीं खेलता है, सम्प्रेषण के लिए इशारों का प्रयोग करता है, नाम लेकर आवाज देने पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दर्शाता तथा अपनी आँखों के सामने अँगुलियाँ लाकर हिलाता डुलाता है। वह आवाज के प्रति अधिक संवेदनशील है तथा वस्तुओं में अपना ध्यान अधिक व्यस्त रखता है। कंठ से विचित्र प्रकार की आवाजें निकालते रहता है। किसी भी अंतरक्रिया में अल्प अवधि के लिए ध्यान देता है। इस तरह का बच्चा 'स्वपरायणता' से ग्रस्त होता है।

यदि आपका बच्चा

- तीव्र प्रकाश की तरफ एकटक देखता हो
- आँखों के सामने अँगुलियाँ लाकर हिलाता डुलाता हो
- हथेलियों को फड़फड़ाता हो
- कंठ से विचित्र प्रकार की आवाजें निकालता हो
- वस्तुओं को त्वचा से रगड़ता हो
- शरीर को दाये–बाऐं झुलाता हो
- वस्तुओं को चाटता हो
- वस्तुओं को सूँघता हो
- सुनी हुई हर बात को दोहराता हो
- स्वयं की भावना को व्यक्त करने में असमर्थ हो
- किसी एक ही वस्तु अथवा स्थान में अधिक रूचि दिखाता हो
- पूरे शरीर को झुमाता हो
- नजर मिलाने से बचता हो
- कहीं भी केवल अल्प अवधि के लिए ध्यान देता हो
- शोर के प्रति अत्याधिक संवेदनशील हो

तो आपके बच्चे की 'स्वपरायणता' से ग्रस्त होने की संभावना है

'स्वपरायणता' क्या है?

'स्वपरायणता' विषम कौशल विकास की वह अवस्था है जो मुख्य रूप से व्यक्ति के सम्प्रेषण और सामाजिक योग्यताओं को प्रभावित करती है और जो अवृत्तिमूलक और सांस्कारिक व्यवहार से परिलक्षित

आप क्या करेंगे ?

'स्वपरायणता' की स्थिति निश्चित करने हेतु विशेषज्ञों के दल द्वारा सर्वकष जाँच करा लें। विशेषज्ञों के इस दल में बाल–मनों चिकित्सक, चिकित्सीय मनोवैज्ञानिक, व्यवसाय चिकित्सक, विशेष शिक्षक तथा वाणी एवं भाषा चिकित्सक का अंतर्भाव होता है। भारत के संभवतः सभी बड़े शहरों में ऐसी सुविधा है।

यदि आप पालक है तो ध्यान दें

आपके बच्चे को व्यापक गहन तथा संरचनात्मक शैक्षिक कार्यक्रम में व्यस्त रखने की आवश्यकता है। आपने अपने बच्चे को अर्थपूर्ण अंतःक्रिया में निरंतर सहभागी रखना चाहिए।

'स्वपरायणता' से ग्रस्त बच्चों के साथ अंतःक्रिया करने के लिए कुछ सुझाव

लम्बी अवधि तक मौखिक निर्देश न दें।
मूर्त वास्तविक वस्तु को दिखाते हुए पढ़ायें।
वास्तविक वस्तुओं को व्यवहार में लाकर दिखायें।
याद रखें कि ऐसे बच्चे एक ही समय में सुनने व देखने की क्षमता नहीं रखते।
वे वस्तु को स्पर्श द्वारा महसूस करके सीखते हैं।
विभिन्न तरह की स्थितियों में सामान्यीकरण करना सिखायें।
स्पष्ट नियम स्थापित करें।
दैनिक कार्य सिखाने हेतु चित्रों द्वारा अपेक्षित कार्य की पूरी कल्पना बता दें।
लिखित भाषा को बोलें जैसे : बोलो – 'यह एक पीली पेन्सिल है' न कि ' यह पीली है।'

स्वपरायणता बच्चे की शिक्षा व प्रशिक्षण के लिए कोई एक विधि नहीं है। अभी तक जिन विभिन्न विधियों की कोशिश की गई है वह इस प्रकार है :

एकीकरण यह एक ऐसी पद्धती है जिसमें वातावरण से प्राप्त होने वाली संवेदीय सूचनाओं के प्रति उद्देश्यपूर्ण लक्ष्य की पूर्ति करने हेतु सुयोग्य प्रतिक्रिया

मनोविश्लेषण यह विधि स्वीकृत परिपक्व व्यवहार को बढ़ाने एवं अहम् को ताकदवार बनाने पर बढ़ाने के लिए ध्यान केन्द्रित करती है।

आहार ग्लूटेन एवं केसिन से मुक्त आहार के कारण कुछ व्यक्तियों को मदद मिलती हैं।

व्यवहार सुधार इसमें अधिगम एवं परिस्थितियों का उपयोग करके मानव व्यवहार में परिवर्तन करना है। इसका क्रियान्वयन यह मान कर किया गया है कि व्यवहार अर्जन सीखने के द्वारा होता है।

संरचनात्मक शिक्षा इसमें सीखने हेतु उपयुक्त वातावरण का निर्माण कर कक्षा के विधियों एवं नियमों को स्थापित कर उनका निरन्तर रूप से पालन किया जाता है।

सम्प्रेषण के विकास के लिए "पर्यावरण प्रणाली"

इसमें दैनिक जीवन की क्रियाओं को प्रतिदिन उपयोग करना सिखाया जाता हैं जिससे बच्चे को सम्प्रेषण की आवश्यकता का एहसास हो सके। यह कार्य बच्चे के स्तर से प्रारम्भ होता है और आगे अधिक कठिन विधि की ओर बढ़ता है।

इन्टरनेट के कुछ स्थान जहाँ आप इसकी अधिक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

www.autism-india.org
www.autism.org
www..autismindia.com
www.autism_pdd.net

क्षेत्रीय विकलांग पुनर्वास केन्द्र, भोपाल में क्या सहायता उपलब्ध है?

विभिन्न विशेषज्ञों का दल
शाला – पूर्व तैयारी कार्यक्रम
ग्रंथालय

सम्पर्क का समय

केन्द्र सरकार के सभी कार्यालयीन दिनों पर प्रातः 9 बजे से सायं 5.30 बजे तक

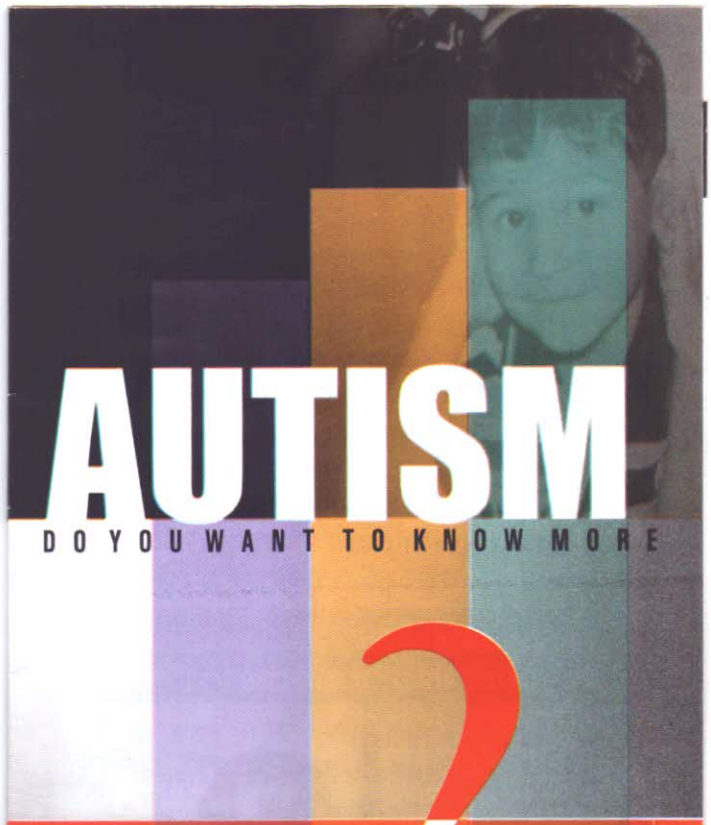

AUTISM

DO YOU WANT TO KNOW MORE

?

COMPOSITE REGIONAL CENTRE

FOR PERSONS WITH DISABILITIES

(Ministry of Social Justice & Empowerment, Govt. of India)

Punarvas Bhawan, Khajuri Kalan Road, Piplani, Bhopal-462 021

Phone : 0755-2685950, Fax : 0755-2685949

E-mail: crcbhopal@indiatimes.com